[This question paper contains 2 printed pages.]

. . **Your Roll No.....**

Sr. No. of Question Paper : 3218 **HC**

Unique Paper Code : 12057504

Name of the Paper : भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धान्त – (HDSE-Elective)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi / CBCS / SEC / DSE I**

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारतीय और पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के प्रमुख तत्वों का विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

नाटक और रंगमंच के अंतःसंबंध पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

2. रंगकर्म में नाटककार और निर्देशक की भूमिका स्पष्ट कीजिए। (15)

P.T.O.

अथवा

नाटक के सन्दर्भ में भरत मुनि के रस सिद्धांत का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

3. त्रासदी की परिभाषा देते हुए उसके विभिन्न तत्वों का परिचय दीजिए। (15)

अथवा

नाटक के सन्दर्भ में अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

4. रूपक का परिचय देते हुए इसके प्रमुख भेदों पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

रेडियो नाटक 'अन्तर्द्वन्द्व को उभारने में अधिक सक्षम हैं' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए: (8+7=15)

(क) नाट्यानुभूति और रंगानुभूति

(ख) पार्श्व-कर्म

(ग) निर्देशक

(घ) मेलोड्रामा

(ङ) नुक्कड़ नाटक